देवनागरी उर्दू

हज़रत ईसा अल-मसीह का चौथा हुक्म, इंजील शरीफ सीखना यानी किताब-ए-मुकद्दस सीखना।

हज़रत ईसा अल-मसीह का चौथा हुक्म, इंजील शरीफ सीखना यानी किताब-ए-मुकद्दस सीखना।

पिछले सबक़ में, हमने खुदावंद ईसा अल-मसीह से दुआ और तरीक़े के बारे में सीखा। इस सबक़ में हम और सीखेंगे कि हमारी रूहानी ज़िन्दगी कैसे मज़बूत होगी — और सबक होगा इंजील शरीफ़ से सीखना। दुआ करना और खुदा के कलाम को पढ़ना— ये दोनों हमारी रूहानी ज़िन्दगी की मज़बूती के लिए बहुत ज़रूरी हैं।

इस सबक में, खुदावंद ईसा अल-मसीह फरमाते हैं कि खुदा का कलाम इंसान के लिए खाने से भी ज़्यादा ज़रूरी है।

सोचें, अगर कोई शख्स एक दिन खाना न खाए तो उसे भूख लगेगी। अगर कई दिन न खाए तो कमज़ोर हो जाएगा। और अगर ऐसे ही चलता रहे तो आख़िरकार मर जाएगा। इसी तरह, अगर हम खुदा का कलाम नहीं सीखते हैं तो हमारी रूहानी ज़िन्दगी भी मर जाएगी।

आज हम मत्ती 4:1-11 से वो वाकिआ पढ़ेंगे जब शैतान ने खुदावंद ईसा अल-मसीह को आज़माया। यहाँ हम देखेंगे कि खुदावंद ईसा अल-मसीह खुदा के कलाम से शैतान पर जीत कैसे हासिल कर पाए —अगर ईसा अल-मसीह के लिए खुदा के कलाम को जानना ज़रूरी था, तो हमारे लिए भी और भी ज़रूरी है।

1फिर रूहुल-क़ुद्स ईसा को रेगिस्तान में ले गया ताकि उसे इबलीस से आज़माया जाए।

2चालीस दिन और चालीस रात रोज़ा रखने के बाद उसे आख़िरकार भूक लगी।

3फिर आज़मानेवाला उसके पास आकर कहने लगा, “अगर तू अल्लाह का फ़रज़ंद है तो इन पत्थरों को हुक्म दे कि रोटी बन जाएँ।”

4लेकिन ईसा ने इनकार करके कहा, “हरगिज़ नहीं, क्योंकि कलामे-मुक़द्दस में लिखा है कि इनसान की ज़िंदगी सिर्फ़ रोटी पर मुनहसिर नहीं होती बल्कि हर उस बात पर जो रब के मुँह से निकलती है।”

5इस पर इबलीस ने उसे मुक़द्दस शहर यरूशलम ले जाकर बैतुल-मुक़द्दस की सबसे ऊँची जगह पर खड़ा किया और कहा,

6“अगर तू अल्लाह का फ़रज़ंद है तो यहाँ से छलाँग लगा दे। क्योंकि कलामे-मुक़द्दस में लिखा है, ‘वह तेरी ख़ातिर अपने फ़रिश्तों को हुक्म देगा, और वह तुझे अपने हाथों पर उठा लेंगे ताकि तेरे पाँवों को पत्थर से ठेस न लगे’।”

7लेकिन ईसा ने जवाब दिया, “कलामे-मुक़द्दस यह भी फ़रमाता है, ‘रब अपने ख़ुदा को न आज़माना’।”

8फिर इबलीस ने उसे एक निहायत ऊँचे पहाड़ पर ले जाकर उसे दुनिया के तमाम ममालिक और उनकी शानो-शौकत दिखाई।

9वह बोला, “यह सब कुछ मैं तुझे दे दूँगा, शर्त यह है कि तू गिरकर मुझे सिजदा करे।”

www.taleemulkalam.org

10लेकिन ईसा ने तीसरी बार इनकार किया और कहा, "इबलीस, दफ़ा हो जा! क्योंकि कलामे-मुक़द्दस में यों लिखा है, 'रब अपने ख़ुदा को सिजदा कर और सिर्फ़ उसी की इबादत कर'।"

11इस पर इबलीस उसे छोड़कर चला गया और फ़रिश्ते आकर उस की ख़िदमत करने लगे।

इस वाकिये से, हम खुदावंद ईसा अल-मसीह के बारे में क्या सीखते हैं?

सब से पहले, हम देखते हैं कि उनका रोज़ा बहुत ताक़तवर था। उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात रोज़ा रखा। उन्होंने सिर्फ़ दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी रोज़ा रखा।

हम यह भी देखते हैं कि ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह को ख़ुदा के कलाम का इल्म था। तीन बार उन्होंने तौरात शरीफ़ से हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम की किताब से हवाला दिया। जब शैतान ने उनसे कहा कि पत्थरों से रोटी बना लो, मसीह ने फ़रमाया, "लिखा है कि इनसान की ज़िंदगी सिर्फ़ रोटी पर मुनहसिर नहीं होती बल्कि हर उस बात पर जो रब के मुँह से निकलती है।" जब शैतान ने उनसे कहा कि अपने आप को येरूशलेम की बैतुल मुकद्दस की चोटी से गिरा दो, मसीह ने फ़रमाया, " कलामे-मुक़द्दस यह भी फ़रमाता है, 'रब अपने ख़ुदा को न आज़माना'। " आख़िर में जब शैतान ने ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह से कहा कि मुझे सजदा करो, तो मसीह ने फ़रमाया, "इबलीस, दफ़ा हो जा! क्योंकि कलामे-मुक़द्दस में यों लिखा है, 'रब अपने ख़ुदा को सिजदा कर और सिर्फ़ उसी की इबादत कर''। ये तीनों हवाले तौरात शरीफ़ से हैं, यानी ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह ने उस किताब को गहराई से पढ़ा था और जब ज़रूरत हुई तो उसकी तालीमात को बयान किया।

इस कहानी में हम यह भी देखते हैं कि हालाँकि ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह को आज़माया गया, मगर उन्होंने गुनाह नहीं किया। हालाँकि ख़ुदा का कलाम कहता है, "सब ने गुनाह किया और ख़ुदा के जलाल से महरूम हो गए" (रोमियों 3:23), लेकिन यह बात ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह पर सच्ची नहीं होती। वजह यह है कि उनकी ख़ास और रूहानी पैदाइश उन्हें पूरी तरह पाक-साफ़ दुनिया में लाई। ख़ुद शैतान भी ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह को गुनाह करने पर मजबूर न कर सका!

आख़िर में हम देखते हैं कि शैतान ने दो बार ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह को " अल्लाह का फ़रज़ंद" कहा। उसने कहा, " अगर तू अल्लाह का फ़रज़ंद है तो इन पत्थरों को हुक्म दे कि रोटी बन जाएँ " फिर कहा, " अगर तू अल्लाह का फ़रज़ंद है तो यहाँ से छलाँग लगा दे " यह एक ख़ास ल़क़ब है ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह का कि वो ख़ुदा का बेटा हैं। हम सब ख़ुदा की औलाद हैं, मगर ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह उस तरह से ख़ुदा का बेटा हैं जो और किसी पर सच्ची नहीं होती। जब हम कहते हैं कि ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह ख़ुदा का बेटा हैं तो हमें यह ग़लतफ़हमी नहीं करनी चाहिए कि वो जिस्मानी बेटे हैं। ख़ुदा ने कभी बीवी नहीं ली और न औलाद पैदा की जैसे इंसान करते हैं! बल्कि ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह रूहानी बेटे हैं ख़ुदा के।

हम शैतान के बारे में इस कहानी से क्या सीखते हैं?

सब से पहले हम देखते हैं कि शैतान आज़माने वाला है। उसने तीन बार कोशिश की कि ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह को गुनाह पर ले आए, मगर नाकाम हुआ। हम जानते हैं कि शैतान ताक़तवर और बहुत अक़लमन्द है। उसने खुदावंद ईसा अल-मसीह को बैतुल मुकद्दस की चोटी पर और एक ऊँचे पहाड़ की चोटी पर ले जाकर खड़ा कर दिया। लेकिन अपनी ताक़त के बावजूद शैतान को खुदावंद ईसा अल-मसीह के सामने भागना पड़ा। जान लो कि अगर तुम ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह के क़रीब रहोगे तो शैतान और उसके बुरी रूहे तुम्हें नुक़सान नहीं पहुँचा सकते।

www.taleemulkalam.org

जान लिजिए, कि इस दुनिया में, हर इंसान पर आज़माइश आती है। कुछ लोग आज़माए जाते हैं तब, और कुछ लोग ख़ुदा के रास्ते पर क़ायम रहते हैं। अगर हम ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह के पैरोकार बनना चाहते हैं तो हमें गुनाह को ठुकराना होगा जब आज़माइश आए। मगर यह भी जान लो कि जब हम नाकाम हों, तब भी खुदावंद ईसा अल-मसीह हमसे मोहब्बत करते हैं।

ख़ुदावंद ईसा अल-मसीह की पैरवी करने के लिए आपको उनकी तालीमात पढ़नी होंगी, ताकि आप आज़माइश और शैतान के मुक़ाबले में खड़े रह सको। हज़रत ईसा अल-मसीह की तालीमात इंजील शरीफ़ में मौजूद हैं। इंजील शरीफ़ 27 किताबों पर मुश्तमिल है और कुल 260 बाब हैं। अगर आप रोज़ तीन बाब पढ़ें, तो सिर्फ़ तीन महीनों में पूरी इंजील शरीफ़ ख़त्म कर सकते हो। तीन बाब पढ़ने में सिर्फ़ पंद्रह मिनट लगते हैं। यह अमल आपकी रूहानी ज़िंदगी को बहुत मज़बूत कर देगा। सबसे अच्छा आग़ाज़ इंजील शरीफ़ की पहली किताब से करना है, जिसे "इंजील मत्ती" कहते हैं।

अगर आप पढ़ नहीं सकते तो ख़ुदा का कलाम सुनें। अपने मोबाइल में इंजील शरीफ़ की ऑडियो रिकॉर्डिंग डालें और रोज़ सुनें। बार-बार सुने और आपकी रूहानी ज़िंदगी बहुत तरक़्क़ी करेगी। जैसे-जैसे आप इंजील शरीफ़ की तालीमात और दुआ में बढ़ते जाएंगे, वैसे-वैसे आप ख़ुदा के और क़रीब होते जाएंगे।

www.taleemulkalam.org

हमसे जुड़ने के लिए आइकॉन पर क्लिक करें.....